ॐ

भक्ति संसार चहुँ महतारी |

भव-मय बंधन मेरनहारी | |

श्यामा काली तारा सीता |

राधा रुक्मिणी गीता प्रीता | |

प्रेम करण माँगयउ महतारी |

चरण-शरण माँगयउ तिहारी | |

काली-लक्ष्मी सरस्वती जननी |

धारण- पालन तारण करनी | |

मुक्त करहुं भव ताप पुनीतो |

जिमि मंगलमय जीवन बीतो | |

सर्वमंगला माँ कल्याणी |

देहुँ अखंडित-भक्ति पुरानी | |

भक्ति-भव-रस प्रेममय, जीवन ज्योति प्रचंड |

करहुँ आनंदित भक्ति अब, लेहु - प्रेम अखंड | |